ओ.एस.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैथल 2024
अर्द्ध वार्षिक परीक्षा (सितम्बर,2024)
विषय : नैतिक शिक्षा. Set A
कक्षा:- दसवीं

समय:- 1 घंटा 10 मिनट पूर्णांक:- 40

सामान्य निर्देश:

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न	प्रश्न **(खंड-क)** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।	अंक
1.	जिसका अन्त नहीं है- क) अनादि (ख) अनन्त (ग) सर्वव्यापक (घ) सर्वाधार	1
2.	सत्य ही ईश्वर है।(क) प्रेय मार्ग (ख) श्रेय मार्ग (ग) हेय मार्ग (घ) श्रम मार्ग	1
3.	प्रारब्ध शब्द का अर्थ है- (क) भाग्य (ख) दुःख (ग) सुख (घ) फल	1
4.	वेद शब्द का अर्थ है -(क) ज्ञान (ख) धर्म (ग) सुख (घ) अज्ञान	1
5.	कैवल्य शब्द का अर्थ है - (क) फूल (ख) माली (ग) मोक्ष (घ) ईश्वर	1
6.	'खुर्सन्द' शब्द है -(क) फारसी भाषा (ख) संस्कृत भाषा (ग) उर्दू भाषा (घ) पंजाबी भाषा	1
7.	कर्म हैं - (क) दो (ख) तीन (ग) चार (घ) पांच	1
8.	सुख के मार्ग हैं -(क) तीन (ख) सात (ग) ग्यारह (घ) इक्कीस	1
9.	तर्पण का सम्बन्ध है -(क) श्रध्दा से (ख) तृप्ति से (ग) अर्थ से (घ) काम से	1
10.	मनुष्य जीवन का उद्देश्य है- (क) सुख (ख) अर्थ (ग) काम (घ) दाम	1
(ख)	प्रश्न (ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सत्य अथवा असत्य लिखकर दीजिए।	10X1
11.	हेय शब्द का अर्थ है- अपनाने योग्य । (सत्य/असत्य)	1
12.	सत्य ज्ञान के बिना मुक्ति संभव नहीं है। (सत्य/असत्य)	1
13.	तर्पण का मूल शब्द तृप्ति है।(सत्य/असत्य)	1
14.	प्रेम ही परमेश्वर है। यह प्रेय मार्ग का आदर्श वाक्य है। (सत्य/असत्य)	1
15.	श्रेय मार्ग में राग और द्वेष दोनों है। (सत्य/असत्य)	1
16.	श्राद्ध का सम्बन्ध कृष्ण पक्ष से है। (सत्य/असत्य)	1
17.	महाशय राजपाल जी का जन्म लाहौर में हुआ था। (सत्य/असत्य)	1
18.	श्राद्ध पक्ष को पितर पक्ष अथवा प्रलयपक्ष भी कहते है।(सत्य/असत्य)	1
19.	श्रेय मार्ग में स्वार्थ की प्रधानता है। (सत्य/असत्य)	1
20.	जैसा कर्म करता है उसको वैसा ही फल मिलता है,यह न्याय है।(सत्य/असत्य)	1
(ग)	निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।	10X1
21.	महाशय राजपाल जी के बलिदान का कारण कौन सी पुस्तक बनी ?	1

22	" मझधार " शब्द का अर्थ लिखिए ?	1
23.	हमारे मनोरथ की पूर्णता किसकी दया पर निर्भर है?	1
24.	संसार को लीला कौन दिखा रही है ?	1
25.	'दूध का दूध और पानी का पानी' कहावत का अर्थ लिखिए ?	1
26.	महात्मा आनंद स्वामी ने संन्यास की दीक्षा किनसे ग्रहण की ?	1
27.	"स्वदेश भक्ति सर्वोपरि है" यह किसने कहा है?	1
28.	इच्छाएं कितनी हैं ?	1
29.	किस भावना से बचकर हृदय निर्मल और उदार हो सकता है?	1
30.	क्रियमाण कर्म किसे कहते हैं ?	1
(घ)	प्रश्न खंड (घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पांच से सात वाक्यों में दीजिए।	2X5
31.	प्रेय मार्ग किसे कहते हैं ? मानव समाज के लिए इसकी क्या उपयोगिता है?	**5**
32.	महाशय राजपाल को विद्यार्थी जीवन में किस किस कठिनाई का सामना करना पड़ा ?	**5**

O.S.D.A.V. Public School, Kaithal
Half Yearly Exam (2024-25)
Subject : Drawing
Class: X

Time: - 1:30 hrs. **M.M.:- 40**

General Instructions:

I. Q. No 1 is compulsory and carry 20 marks.
II. Other three questions carry 10 marks.
III. Sketch and colour any three of the following.

Q.No.	Questions	Marks
Q. 1	Draw a visually appealing Alekhan Kala (Alpana design) with a bright and dark color in circle/ semicircle.	20
Q. 2	Draw a visually appealing 'Mandala Art' fill it nicely with a black marker.	10
Q.3	Draw a beautiful Nature scene filled with bright color.	10
Q.4	Draw a Ball pen art with black/blue ball pen.	10

ओ.एस.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैथल 2024
अर्द्ध वार्षिक परीक्षा (सितम्बर,2024)
विषय : नैतिक शिक्षा. Set B
कक्षा:- दसवीं

समय:- 1 घंटा 10 मिनट पूर्णांक:- 40

सामान्य निर्देश:

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रश्न	प्रश्न **(खंड-क)** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए।	अंक
1.	जिसका आदि नहीं है- क) अनादि (ख) अनन्त (ग) सर्वव्यापक (घ) सर्वाधार	1
2.	प्रेम ही परमेश्वर है।(क) प्रेय मार्ग (ख) श्रेय मार्ग (ग) हेय मार्ग (घ) श्रम मार्ग	1
3.	प्रारब्ध शब्द का अर्थ है- (क) भाग्य (ख) दुःख (ग) सुख (घ) फल	1
4.	रम्य वाटिका का अर्थ है -(क) वेद (ख) धर्म (ग) वैदिक संस्कृति (घ) ज्ञान	1
5.	कैवल्य शब्द का अर्थ है - (क) फूल (ख) माली (ग) मोक्ष (घ) ईश्वर	1
6.	वेद शब्द का अर्थ है- (क) ज्ञान (ख) सम्मान (ग) सुधा (घ) उपदेश	1
7.	एषणा (इच्छाएं) हैं - (क) दो (ख) तीन (ग) चार (घ) पांच	1
8.	सुख के मार्ग हैं -(क) तीन (ख) सात (ग) ग्यारह (घ) इक्कीस	1
9.	श्राद्ध का सम्बन्ध है -(क) श्रध्दा से (ख) तृप्ति से (ग) अर्थ से (घ) काम से	1
10.	मनुष्य जीवन का उद्देश्य है- (क) सुख (ख) अर्थ (ग) काम (घ) दाम	1
(ख)	प्रश्न (ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सत्य अथवा असत्य लिखकर दीजिए।	10X1
11.	सत्य ज्ञान के बिना मुक्ति संभव नहीं है। (सत्य/असत्य)	1
12.	हेय शब्द का अर्थ है- अपनाने योग्य । (सत्य/असत्य)	1
13.	खाओ,पियो,मौज करो,यह हेय मार्ग का आदर्श वाक्य है। (सत्य/असत्य)	1
14.	तर्पण का मूल शब्द तृप्ति है। (सत्य/असत्य)	1
15.	श्राद्ध का सम्बन्ध कृष्ण पक्ष से है। (सत्य/असत्य)	1
16.	श्रेय मार्ग में राग और द्वेष दोनों है। (सत्य/असत्य)	1
17.	श्राद्ध पक्ष को पितर पक्ष अथवा प्रलय पक्ष भी कहते है। (सत्य/असत्य)	1
18.	महाशय राजपाल जी का जन्म लाहौर में हुआ था। (सत्य/असत्य)	1
19.	जो जैसा कर्म करता है उसको वैसा ही फल मिलता है- यह न्याय है। (सत्य/असत्य)	1
20.	प्रेय मार्ग में स्वार्थ की प्रधानता है। (सत्य/असत्य)	1
(ग)	प्रश्न खंड(ग) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।	10X1
21.	मातृभूमि की सेवा में हम क्या कुछ बलिदान करने की इच्छा रखते हैं?	1

22	"ठोकरें खाना " का अर्थ लिखिए ?	1
23.	हमारे मनोरथ की पूर्णता किसकी दया पर निर्भर है?	1
24.	संसार को लीला कौन दिखा रही है ?	1
25.	खुर्सन्द किस भाषा का शब्द है ?	1
26.	महात्मा आनंद स्वामी ने संन्यास की दीक्षा कहां ग्रहण की ?	1
27.	"स्वदेश भक्ति सर्वोपरि है" यह किसने कहा है?	1
28.	कर्म कितने हैं ?	1
29.	संचित कर्म किसे कहते हैं ?	1
30.	किस भावना से बचकर हृदय निर्मल और उदार हो सकता है ?	1
(घ)	प्रश्न खंड (घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पांच से सात वाक्यों में दीजिए।	2X5
31.	श्रेय मार्ग का स्वरूप बताकर यह स्पष्ट करें कि उसे प्रेय मार्ग की अपेक्षा अधिक अच्छा क्यों बताया गया है ?	**5**
32.	पीड़ित जनों की सहायता हेतु किए गए महात्मा आनंद स्वामी के सेवा कार्यों का वर्णन कीजिए?	**5**

O.S.D.A.V. Public School, Kaithal
Half Yearly Exam (2024-25)
Subject : Drawing
Class: X

Time: - 1:30 hrs. **M.M.:- 40**

General Instructions:

I. Q. No 1 is compulsory and carry 20 marks.
II. Other three questions carry 10 marks.
III. Sketch and colour any three of the following.

Q.No.	Questions	Marks
Q. 1	Draw a visually appealing Alekhan Kala (Alpana design) with a bright and dark color in circle/ semicircle.	20
Q. 2	Draw a visually appealing 'Mandala Art' fill it nicely with a black marker.	10
Q.3	Draw a beautiful Nature scene filled with bright color.	10
Q.4	Draw a Ball pen art with black/blue ball pen.	10

ओ.एस.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैथल 2024
अर्द्ध वार्षिक परीक्षा (सितम्बर,2024)
विषय : नैतिक शिक्षा. Set A (Answer Key)
कक्षा:- दसवीं
पूर्णांक:- 40

प्रश्न	उत्तर (खंड-क) सही विकल्प चुनकर ।	अंक
1.	जिसका अन्त नहीं है- उत्तर- (ख) अनन्त	1
2.	सत्य ही ईश्वर है। उत्तर -(ख) श्रेय मार्ग	1
3.	प्रारब्ध शब्द का अर्थ है- उत्तर- (क) भाग्य	1
4.	वेद शब्द का अर्थ है - उत्तर - (क) ज्ञान	1
5.	कैवल्य शब्द का अर्थ है - उत्तर- (ग) मोक्ष	1
6.	'खुर्सन्द' शब्द है - उत्तर- (क) फारसी भाषा	1
7.	कर्म हैं - उत्तर - (ख) तीन	1
8.	सुख के मार्ग हैं - उत्तर - (क) तीन	1
9.	तर्पण का सम्बन्ध है - उत्तर- (ख) तृप्ति से	1
10.	मनुष्य जीवन का उद्देश्य है- उत्तर - (क) सुख	1
(ख)	उत्तर खंड (ख) सत्य अथवा असत्य।	10X1
11.	हेय शब्द का अर्थ है- अपनाने योग्य । उत्तर-.असत्य	1
12.	सत्य ज्ञान के बिना मुक्ति संभव नहीं है। उत्तर - सत्य	1
13.	तर्पण का मूल शब्द तृप्ति है। उत्तर - सत्य	1
14.	प्रेम ही परमेश्वर है। यह प्रेय मार्ग का आदर्श वाक्य है। उत्तर- सत्य	1
15.	श्रेय मार्ग में राग और द्वेष दोनों है। उत्तर - असत्य	1
16.	श्राद्ध का सम्बन्ध कृष्ण पक्ष से है। उत्तर - सत्य	1
17.	महाशय राजपाल जी का जन्म लाहौर में हुआ था। उत्तर - असत्य	1
18.	श्राद्ध पक्ष को पितर पक्ष अथवा प्रलयपक्ष भी कहते है। उत्तर - सत्य	1
19.	श्रेय मार्ग में स्वार्थ की प्रधानता है। उत्तर - असत्य	1
20.	जो जैसा कर्म करता है उसको वैसा ही फल मिलता है,यह न्याय है। उत्तर- सत्य	1
(ग)	(खंड ग) उत्तर एक वाक्य में ।	10X1
21.	महाशय राजपाल जी के बलिदान का कारण रंगीला रसूल नामक पुस्तक बनी।	1
22	" मझधार " शब्द का सामान्य अर्थ बीच जलधारा पाठ के अनुसार मुसीबत।	1
23.	हमारे मनोरथ की पूर्णता ईश्वर की दया पर निर्भर है।	1
24.	ईश्वर की अनन्त महिमा संसार को लीला कौन दिखा रही है।	1

25.	'दूध का दूध और पानी का पानी' कहावत का अर्थ- सच्चाई को उजागर करना।	1
26.	महात्मा आनंद स्वामी ने संन्यास की दीक्षा स्वामी आत्मानंन्द जी से ग्रहण की।	1
27.	"स्वदेश भक्ति सर्वोपरि है" यह स्वामी दयानंद जी ने कहा है।	1
28.	इच्छाएं तीन हैं।	1
29.	अभिमान की भावना से बचकर हृदय निर्मल और उदार हो सकता है।	1
30.	क्रियमाण कर्म - वर्तमान में किए गए अच्छे-बूरे कर्मों को क्रियमाण कर्म कहते हैं।	1
(घ)	उत्तर खंड (घ) उत्तर पांच से सात वाक्यों में ।	2X5
31.	प्रेय मार्ग किसे कहते हैं ? मानव समाज के लिए इसकी क्या उपयोगिता है? उत्तर:- प्रेय मार्ग मध्यम लोगों का मार्ग है। यह प्रेम का मार्ग है। माता-पिता के प्रति श्रद्धा, पत्नी से प्रेम,भाई - बहनों से स्नेह ,पुत्र ,पौत्रों से वात्सल्य इस मार्ग के विभिन्न दिशाओं में पड़ाव हैं। फ्री मार्ग का पथिक प्रेम को परमेश्वर मानता है। राष्ट्र तथा समाज के प्रति प्रेम, देश भक्ति, समाज सेवा की भावना, इस प्रेम मार्ग के ही विभिन्न सोपान हैं। उसका जीवन अपने लिए ना हो रहकर दूसरों के लिए हो जाता है। प्राणीमात्र के लिए प्रेम,समाज के लिए कर्तव्य निष्ठा और ईश्वर भक्ति का उदय यह इस मार्ग का चरमसाध्य अथवा मंजिल है।	**5**
32.	महाशय राजपाल को विद्यार्थी जीवन में किस किस कठिनाई का सामना करना पड़ा ? उत्तर:- महाशय राजपाल जी का जन्म 1885 में अमृतसर की एक साधारण परिवार में हुआ था। इनके पिता बचपन में ही घर बार छोड़कर साधु हो गए। घर का सारा बार मां और छोटे भाई की जिम्मेवारी और साथ ही अपनी पढ़ाई दोनों ही कठिन काम इन्हें कुमार अवस्था में एक साथ ही करने पड़े। अतः घर का खर्च चलाने के लिए पढ़ाई के साथ ही नौकरी कर ली। इस तरह कठिनाइयों का सामना करना,परिश्रम करना, हिम्मत ना हारना - यह सब गुण विद्यार्थी जीवन से ही इस बालक अर्थात माहशय राजपाल जी में आ गए।	**5**

ओ.एस.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैथल 2024
अर्द्ध वार्षिक परीक्षा (सितम्बर,2024)
विषय : नैतिक शिक्षा. Set B (Answer Key)

कक्षा:- दसवीं

पूर्णांक:- 40

प्रश्न	उत्तर (खंड-क) सही विकल्प चुनकर ।	अंक
1.	जिसका आदि नहीं है- उत्तर - (क) अनादि	1
2.	प्रेम ही परमेश्वर है। उत्तर - (क) प्रेय मार्ग	1
3.	प्रारब्ध शब्द का अर्थ है- उत्तर - (क) भाग्य	1
4.	रम्य वाटिका का अर्थ है - उत्तर (ग) वैदिक संस्कृति	1
5.	कैवल्य शब्द का अर्थ है - उत्तर (ग) मोक्ष	1
6.	वेद शब्द का अर्थ है- उत्तर - (क) ज्ञान	1
7.	एषणा (इच्छाएं) हैं - उत्तर (ख) तीन	1
8.	सुख के मार्ग हैं - उत्तर - (क) तीन	1
9.	श्राद्ध का सम्बन्ध है - उत्तर (क) श्रध्दा से	1
10.	मनुष्य जीवन का उद्देश्य है- उत्तर - (क) सुख	1
(ख)	उत्तर खंड (ख) उत्तर सत्य अथवा असत्य	10X1
11.	सत्य ज्ञान के बिना मुक्ति संभव नहीं है। उत्तर -सत्य	1
12.	हेय शब्द का अर्थ है- अपनाने योग्य । उत्तर- असत्य	1
13.	खाओ,पियो,मौज करो,यह हेय मार्ग का आदर्श वाक्य है। उत्तर- सत्य	1
14.	तर्पण का मूल शब्द तृप्ति है। उत्तर- सत्य	1
15.	श्राद्ध का सम्बन्ध कृष्ण पक्ष से है। उत्तर - सत्य	1
16.	श्रेय मार्ग में राग और द्वेष दोनों है। उत्तर - असत्य	1
17.	श्राद्ध पक्ष को पितर पक्ष अथवा प्रलय पक्ष भी कहते है। उत्तर- सत्य	1
18.	महाशय राजपाल जी का जन्म लाहौर में हुआ था। उत्तर- असत्य	1
19.	जो जैसा कर्म करता है उसको वैसा ही फल मिलता है- यह न्याय है। उत्तर- सत्य	1
20.	प्रेय मार्ग में स्वार्थ की प्रधानता है। उत्तर- असत्य	1
(ग)	उत्तर खंड(ग) उत्तर एक वाक्य में	10X1
21.	मातृभूमि की सेवा में हम तन मन धन अर्थात सब कुछ बलिदान करने की इच्छा रखते हैं।	1
22	"ठोकरें खाना " का अर्थ दर-दर भटकना है।	1
23.	हमारे मनोरथ की पूर्णता ईश्वर की दया पर निर्भर है।	1

24.	ईश्वर की अनंत महिमा संसार को लीला दिखा रही है।	1
25.	खुर्सन्द फारसी भाषा का शब्द है।	1
26.	महात्मा आनंद स्वामी ने संन्यास की दीक्षा यमुनानगर में ग्रहण की।	1
27.	"स्वदेश भक्ति सर्वोपरि है" यह स्वामी दयानंद जी ने कहा है।	1
28.	कर्म तीन हैं ।	1
29.	संचित का अर्थ है - एकत्रित या इकट्ठा किया हुआ। अनेक पूर्व जन्मों से लेकर वर्तमान में किए गए अच्छे-बूरे कर्मों के संचय को संचित कर्म कहते हैं।	1
30.	अभिमान की भावना से बचकर हृदय निर्मल और उदार हो सकता है।	1
(घ)	उत्तर खंड (घ) उत्तर पांच से सात वाक्यों में।	2X5
31.	श्रेय मार्ग का स्वरूप बताकर यह स्पष्ट करें कि उसे प्रेय मार्ग की अपेक्षा अधिक अच्छा क्यों बताया गया है ? उत्तर:- प्रेय मार्ग में प्रेम को प्रभु का पर्याय माना गया है जबकि श्रेय मार्ग में प्रेम का स्थान सत्य ले लेता है। यहां सत्य ही धर्म है सत्य ही परमेश्वर है।सत्य की प्राप्ति यथार्थ ज्ञान से होती है, अतः सत्य ज्ञान के बिना मुक्ति का हो पाना सम्भव नहीं है। प्रेय मार्ग में प्रेम का सम्राज्य दुख को सुख में बदल देता है। उससे संसार स्वर्ग बन जाता है। सबसे आत्मीयता,स्नेह और,सम्मान मिलता है। किंतु श्रेय मार्ग में स्नेह,समयमान, यश की लालसा या अपेक्षा ही नहीं रहती। वित्तैषणा, पुत्रैषणा,लोकैषणा सभी कुछ पीछे छुट जाता है। सुख- दुःख, लाभ- हानी,जय- पराजय, यश-अपयश आदि द्वन्द्व समाप्त हो जाते हैं। प्रेय मार्ग और श्रेय मार्ग का अवलोकन करने पर यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रेय मार्ग में जहां राग और द्वेष की प्रधानता है वहीं श्रेय मार्ग में सत्य और धर्मानुकूल आचरण की प्रधानता है। अतः प्रेय और श्रेय मार्ग में मुझे अधिक अच्छा श्रेय मार्ग ही लगता है, क्योंकि इसमें सत्य और धर्मानुकूल आचरण की प्रधानता है।	**5**
32.	पीड़ित जनों की सहायता हेतु किए गए महात्मा आनंद स्वामी के सेवा कार्यों का वर्णन कीजिए? उत्तर:- पीड़ित जनों की सहायता हेतु महात्मा आनंद स्वामी जी द्वारा किए गए कार्यों का वर्णन निम्नलिखित रुप से किया जा सकता है: 1.सन् 1905 में जिला कांगड़ा, हिमाचल में भूकंप आया तो, वे अपने सहयोगी स्वयंसेवकों के साथ जाकर भूकंप पीड़ितों की भरपूर सेवा सहायता की। 2. गुजरात के गांव में जब प्लेग ने आक्रमण किया, तो अपनी जान की बाजी लगाकर, वही आर्य समाज की ओर से रोगियों की सेवा सहायता करने लगे। 3. जम्मू कश्मीर में, कांगड़ा- कोटली भिम्बर,नौशहारा में अकाल पड़ा तो आर्य समाज की ओर से हजारों मन अन्न लेकर वहां जा पहुंचे, और पीड़ितों लोगों की भरपूर सेवा सहायता की।	**5**

	4. सन् 1922 में, मद्रास में मुसलमानों ने ढाई हजार हिंदुओं को बलपूर्वक धर्मभ्रष्ट कर दिया, हजारों को शहीद कर दिया, लूटमार में अति कर दी, तो आप दुखियों एव पीड़ित परिवारों की सहायता के लिए वहां पहुंचकर उनकी भरपूर सेवा सहायता की। इसी प्रकार बिहार और कोयटा के भूकंप में तथा बंगाल के अकाल से प्रभावित लोगों के बीच में जाकर यथासंभव सहायता सामग्री ले जा कर उन पीड़ित परिवारों की सेवा सहायता की। महात्मा खुशहाल चंद जी देश में जहां कहीं भी, प्राकृतिक आपदा या विपदा आती अथवा मुसलमानों के द्वारा उपद्रव किया जाता तो, वहां वे आर्य समाज के अपने स्वय सेवकों के साथ सबसे पहले पहुंचकर उनकी सेवा सहायता और रक्षा करते थे।	